चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 15 मई 2026, अंक –280.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

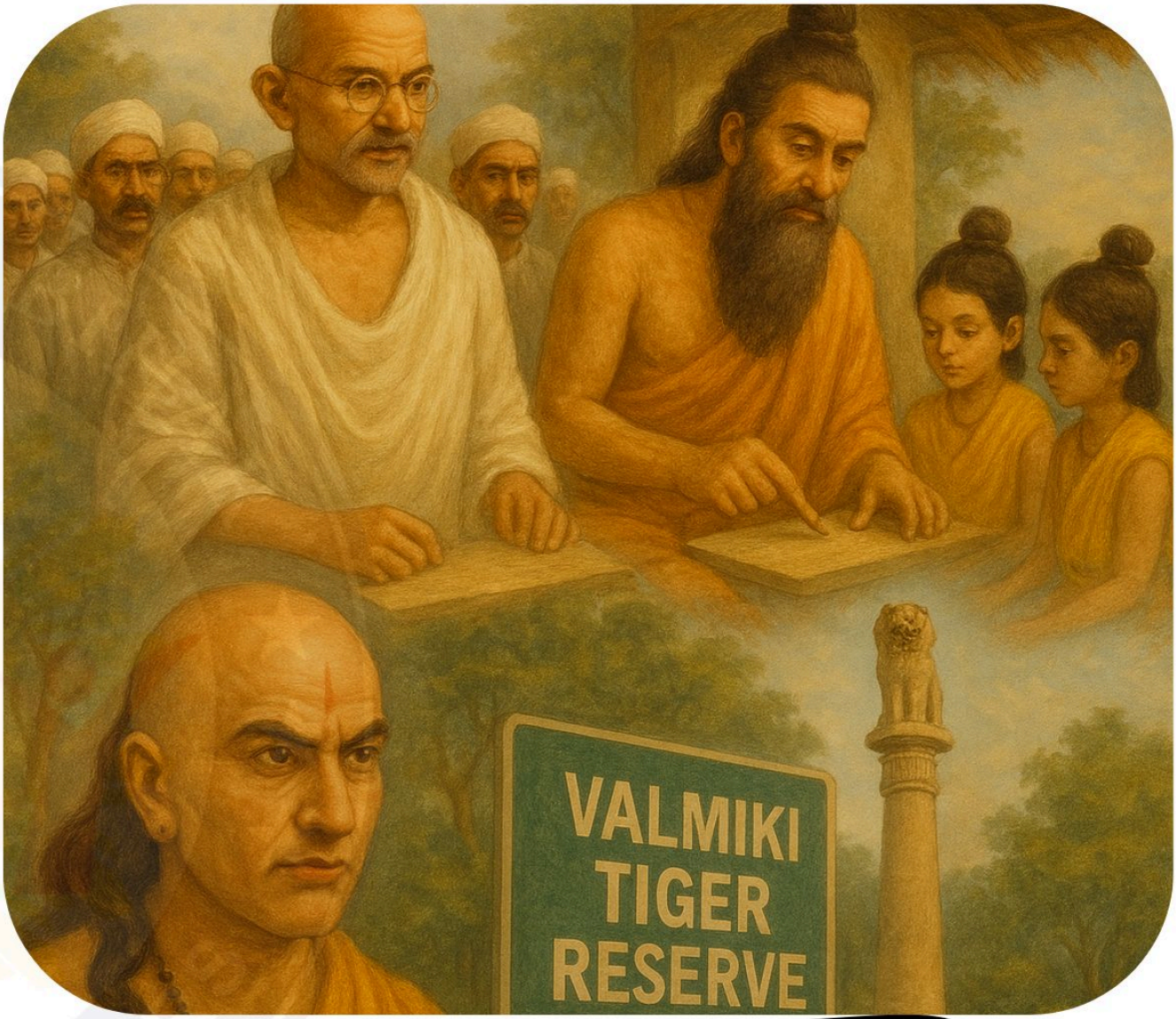

"मंजिलें उन्हीं को मिलती हैं जिनके सपनों में जान होती है।"

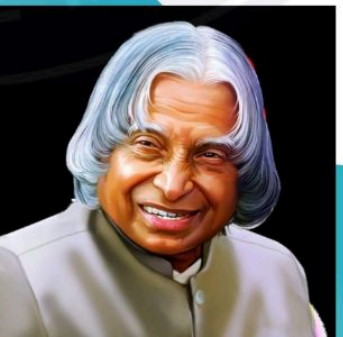

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Saturday Prayer

रफ्तार पे सूरज की किरण नाज करे,
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे।

वो नजर दे कि करूँ कद्र हरेक मजहब की,
वो मुहब्बत दे मुझे अमनो अमन नाज करे।

मेरी खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक,
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे।

इल्म कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ,
हौसला ऐसा हीं दे गंग जमन नाज करे।

आधे रस्ते पे न रूक जाये मुसाफिर के कदम,
शौक मंजिल का हो इतना कि थकन नाज करे।

दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार,
ऐसी खूबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे।

जय बिहार जय बिहार जय जय जय जय बिहार...!

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. थाईलैंड की राजधानी क्या है?
उत्तर: बैंकॉक
प्रश्न 2. भारत के पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री कौन थे जिन्होंने अंतरिक्ष में "सारे जहाँ से अच्छा" कहा था?
उत्तर: राकेश शर्मा
प्रश्न 3. 'माघ बिहू' किस राज्य का प्रमुख पर्व है?
उत्तर: असम
प्रश्न 4. 17 किस प्रकार की संख्या है?
उत्तर: अभाज्य संख्या
प्रश्न 5. बिहार के किस शहर में प्रसिद्ध गोलघर स्थित है?
उत्तर: पटना
प्रश्न 6. केवल देव घना पक्षी विहार किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: राजस्थान
प्रश्न 7. माइक्रोफोन का आविष्कार किसने किया?
उत्तर: एमिल बर्लिनर
प्रश्न 8. भारतीय संविधान सभा के स्थायी अध्यक्ष कौन थे?
उत्तर: डॉ. राजेंद्र प्रसाद
प्रश्न 9. 'जो कभी न मरे' — इसके लिए एक शब्द क्या होगा?
उत्तर: अमर
प्रश्न 10. सूर्य में ऊर्जा उत्पन्न होने की प्रक्रिया क्या कहलाती है?
उत्तर: नाभिकीय संलयन

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Temple – (टेम्पल) – मंदिर
Prayer – (प्रेयर) – प्रार्थना
Lampstand – (लैम्पस्टैंड) – दीपदान
Bell – (बेल) – घंटी
Flowerpot – (फ्लावरपॉट) – गमला
Donation – (डोनेशन) – दान
Devotee – (डिवोटी) – भक्त

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: "हम ... करते/करती हैं" (We ...)

हम पढ़ते हैं। – We read.
हम लिखते हैं। – We write.
हम खेलते हैं। – We play.
हम खाना खाते हैं। – We eat food.
हम अंग्रेज़ी सीखते हैं। – We learn English.

संकलन:-
सुनील कुमार राम
प्रधान शिक्षक
Govt. PS चिउटोहां
बगहा-2, प. चम्पारण

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

1. 16 मई को भारत के किस पूर्वोत्तर राज्य का 'स्थापना दिवस' मनाया जाता है, जो 1975 में भारत का 22वाँ राज्य बना था? (दिवस ज्ञान)
उत्तर: सिक्किम
व्याख्या: 16 मई 1975 को सिक्किम आधिकारिक रूप से भारतीय संघ का हिस्सा बना। यह अपनी जैविक खेती और कंचनजंगा पर्वत के लिए प्रसिद्ध है। इस दिवस को मनाना भारत की अखंडता और सांस्कृतिक विविधता को समझने के लिए महत्वपूर्ण है।
संदर्भ: Ministry of Home Affairs (MHA), 2026.

2. हाल ही में 'जी-7' (G7) शिखर सम्मेलन 2026 में 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' (AI) के सुरक्षित उपयोग हेतु किस समझौते पर हस्ताक्षर किए गए? (समसामयिकी)
उत्तर: हिरोशिमा एआई प्रोसेस
व्याख्या: मई 2026 की बैठक में वैश्विक नेताओं ने एआई के नैतिक उपयोग और सुरक्षा मानकों को मजबूत करने हेतु इस समझौते को विस्तार दिया। यह तकनीक के भविष्य और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की दृष्टि से प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु अति महत्वपूर्ण है।
संदर्भ: Global Tech News / G7 Summit Bulletin, May 2026.

3. दक्षिण भारत में 'संगम साहित्य' के संकलन हेतु होने वाली सभाओं को कहाँ आयोजित किया जाता था? (पुस्तक - लेखक)
उत्तर: मदुरै
व्याख्या: संगम साहित्य तमिल भाषा का प्राचीनतम साहित्य है, जिसका संकलन मदुरै में आयोजित परिषदों (संगम) में किया गया था। इन ग्रंथों में तत्कालीन दक्षिण भारतीय समाज, व्यापार और संस्कृति का जीवंत विवरण मिलता है।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 9 Vital Villages, Thriving Towns, p. 89.

4. वायुमंडल की कौन सी गैस सूर्य की हानिकारक पराबैंगनी (UV) किरणों को सोख लेती है? (पर्यावरण)
उत्तर: ओजोन (Ozone)
व्याख्या: ओजोन गैस वायुमंडल के समतापमंडल में पाई जाती है। यह एक सुरक्षा कवच की तरह कार्य करती है, जो सूर्य की घातक किरणों को पृथ्वी की सतह तक पहुँचने से रोकती है। इसके अभाव में त्वचा कैंसर और पर्यावरणीय असंतुलन का खतरा बढ़ जाता है।
संदर्भ: NCERT Class 7 Geography, Ch 4 Air, p. 22.

5. प्राचीन भारत में 'वेल्ळार' (Vellalar) शब्द का प्रयोग किन लोगों के लिए किया जाता था? (इतिहास)
उत्तर: बड़े भू-स्वामी
व्याख्या: तमिल क्षेत्र में बड़े भू-स्वामियों को 'वेल्ळार', साधारण हलवाहों को 'उणवार' और भूमिहीन मजदूरों को 'कडैसियर' कहा जाता था। यह शब्दावली प्राचीन दक्षिण भारत की ग्रामीण सामाजिक संरचना को समझने का मुख्य आधार है।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 9 Vital Villages, Thriving Towns, p. 89.

"सामान्य-ज्ञान"

6. पृथ्वी के वायुमंडल की ऊँचाई लगभग कितनी है? (भूगोल)
उत्तर: 1,600 किलोमीटर
व्याख्या: हमारा वायुमंडल पृथ्वी की सतह से लगभग 1,600 किमी की ऊँचाई तक फैला हुआ है। इसे गैसों के घटक, तापमान और अन्य विशेषताओं के आधार पर पाँच परतों में विभाजित किया गया है। ऊँचाई बढ़ने के साथ वायु का घनत्व तेजी से घटता है।
संदर्भ: NCERT Class 6 Geography, Ch 5 Major Domains of the Earth, p. 35.

7. भारतीय संविधान का कौन सा अनुच्छेद 'विधि के समक्ष समानता' (Equality before Law) सुनिश्चित करता है? (संविधान)
उत्तर: अनुच्छेद 14
व्याख्या: अनुच्छेद 14 के अनुसार, भारत के राज्य क्षेत्र में किसी भी व्यक्ति को कानून के समक्ष समानता या कानूनों के समान संरक्षण से वंचित नहीं किया जाएगा। यह मौलिक अधिकार लोकतंत्र की नींव है और कानून का शासन (Rule of Law) स्थापित करता है।
संदर्भ: NCERT Class 11 Pol. Science, Ch 2 Rights in the Indian Constitution, p. 28.

8. मानव शरीर में 'रक्त का थक्का' (Blood Clotting) जमने में कौन सी कोशिकाएं सहायक होती हैं? (विज्ञान)
उत्तर: प्लेटलेट्स (Platelets)
व्याख्या: जब शरीर में कहीं चोट लगती है, तो प्लेटलेट्स रक्त का थक्का जमाकर अत्यधिक रक्तस्राव को रोकती हैं। इसके बिना शरीर से रक्त की भारी हानि हो सकती है। यह रक्त विज्ञान (Hematology) की एक अनिवार्य जीवन-रक्षक प्रक्रिया है।
संदर्भ: NCERT Class 7 Science, Ch 11 Transportation in Animals and Plants, p. 122.

9. प्रसिद्ध 'एरावतेश्वर मंदिर' (दारासुरम) का निर्माण किस राजवंश के शासकों द्वारा किया गया था? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: चोल वंश
व्याख्या: राजराज चोल द्वितीय द्वारा निर्मित यह मंदिर चोल स्थापत्य कला का अद्भुत नमूना है। इसे यूनेस्को की विश्व धरोहर 'महान जीवंत चोल मंदिर' की सूची में शामिल किया गया है। यह अपनी बारीक पत्थर की नक्काशी के लिए विख्यात है।
संदर्भ: NCERT Class 7 History, Ch 2 New Kings and Kingdoms, p. 23.

10. बिहार के किस जिले में 'कौशिकी' (कोसी) और गंगा नदी का संगम होता है? (बिहार GK)
उत्तर: कटिहार (कुर्सेला)
व्याख्या: कोसी नदी, जिसे 'बिहार का शोक' भी कहा जाता है, कटिहार जिले के कुर्सेला के पास गंगा में मिल जाती है। यह संगम क्षेत्र भौगोलिक दृष्टि से बिहार के ड्रेनेज सिस्टम (अपवाह तंत्र) को समझने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।
संदर्भ: Bihar State Water Resources Dept; NCERT Geography Map Reference.

"सामान्य-ज्ञान"

11. सुरक्षित शनिवार के अनुसार, लू (Heatwave) से प्रभावित व्यक्ति को होश आने पर सबसे पहले क्या देना चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा)
उत्तर: नींबू-चीनी का पानी/ORS
व्याख्या: मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम (मई W2) के अनुसार, यदि लू से प्रभावित व्यक्ति होश में हो, तो उसे तुरंत नींबू-नमक-चीनी का घोल या ओआरएस (ORS) देना चाहिए। यह शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी को तुरंत पूरा कर रिकवरी में मदद करता है।
संदर्भ: आपदा जोखिम न्यूनीकरण कैलेंडर 2026, बिहार सरकार।

12. एक कक्षा में 'A' का स्थान ऊपर से 7वाँ और नीचे से 28वाँ है। कक्षा में कुल कितने छात्र हैं? (रीजनिंग)
उत्तर: चौंतीस (34)
व्याख्या: कुल छात्रों की संख्या निकालने का सूत्र है: (ऊपर से स्थान + नीचे से स्थान) - 1। अतः (7 + 28) - 1 = 35 - 1 = 34। यह प्रश्न बच्चों में पदानुक्रम (Ranking) और तार्किक गणना की क्षमता विकसित करता है।
संदर्भ: Mental Ability Practice Test (2026).

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Abrupt (अब्रप्ट) = Sudden / Unexpected (सडन / अनएक्सपेक्टेड) = अचानक
🔁 Antonym – Gradual (ग्रैजुअल) = धीरे-धीरे होने वाला
Blossom (ब्लॉसम) = Bloom / Flourish (ब्लूम / फ्लरिश) = खिलना / विकसित होना
🔁 Antonym – Wither (विधर) = मुरझाना
Conceal (कन्सील) = Hide / Cover (हाइड / कवर) = छिपाना
🔁 Antonym – Expose (एक्सपोज़) = उजागर करना
Drowsy (ड्राउज़ी) = Sleepy / Tired (स्लीपी / टायर्ड) = नींद से भरा
🔁 Antonym – Energetic (एनर्जेटिक) = ऊर्जावान
Forge (फोर्ज) = Create / Build (क्रिएट / बिल्ड) = निर्माण करना
🔁 Antonym – Destroy (डिस्ट्रॉय) = नष्ट करना

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

India launches 'Project Him-Shakti'; World's highest Green Hydrogen plant commissioned in Ladakh to power army bases and remote villages.
भारत ने 'प्रोजेक्ट हिम-शक्ति' लॉन्च किया; लद्दाख में दुनिया के सबसे ऊंचे ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट का शुभारंभ किया गया, जो सेना के बेस और दूरदराज के गांवों को स्वच्छ ऊर्जा प्रदान करेगा।

Ministry of Earth Sciences discovers 'Rare Earth Element' (REE) deposits in the Himalayan foothills; potentially reducing import dependency on China by 30%.
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने हिमालय की तलहटी में दुर्लभ पृथ्वी तत्वों (REE) के भंडार की खोज की; इससे चीन पर आयात निर्भरता में 30% तक की कमी आने की संभावना है।

Supreme Court mandates 'Neutral Citation System' for all High Courts; India to have a unified digital database for legal precedents to speed up judicial delivery.
सुप्रीम कोर्ट ने सभी उच्च न्यायालयों के लिए 'न्यूट्रल साइटेशन सिस्टम' अनिवार्य किया; न्यायिक प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए कानूनी मिसालों का एक एकीकृत डिजिटल डेटाबेस तैयार होगा।

INTERNATIONAL NEWS

G7 Summit 2026 adopts 'The AI Accountability Charter'; mandates tech giants to pay a 'Digital Tax' to compensate for AI-led job displacements.
G7 शिखर सम्मेलन 2026 में 'एआई जवाबदेही चार्टर' अपनाया गया; तकनीकी दिग्गजों के लिए अब एआई के कारण होने वाली नौकरियों के नुकसान की भरपाई हेतु 'डिजिटल टैक्स' देना अनिवार्य होगा।

BBC News: Scientists in South Korea achieve a world record in 'Nuclear Fusion'; sustained 150 million°C for 5 minutes in the KSTAR reactor.
बीबीसी न्यूज़: दक्षिण कोरिया के वैज्ञानिकों ने 'न्यूक्लियर फ्यूजन' में विश्व रिकॉर्ड बनाया; KSTAR रिएक्टर में 5 मिनट तक 15 करोड़ डिग्री सेल्सियस का तापमान बनाए रखने में सफलता।

WHO issues global alert on 'Digital Burnout Syndrome'; officially recognizes excessive AI-dependency as a psychological health condition.
विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने 'डिजिटल बर्नआउट सिंड्रोम' पर वैश्विक अलर्ट जारी किया; एआई पर अत्यधिक निर्भरता को आधिकारिक तौर पर एक मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य स्थिति के रूप में मान्यता दी।

BIHAR NEWS

Bihar Government to establish 'State Artificial Intelligence Hub' in Patna; will provide subsidized cloud computing for local tech-startups.
बिहार सरकार पटना में 'राज्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हब' स्थापित करेगी; यह स्थानीय टेक-स्टार्टअप्स को रियायती दरों पर क्लाउड कंप्यूटिंग की सुविधा प्रदान करेगा।

SCERT Bihar introduces 'Cyber Hygiene' as a compulsory module in the computer science curriculum for Middle Schools (Classes 6-8).
एससीईआरटी बिहार ने मध्य विद्यालयों (कक्षा 6-8) के कंप्यूटर विज्ञान पाठ्यक्रम में 'साइबर हाइजीन' को एक अनिवार्य मॉड्यूल के रूप में शामिल किया।

SPORTS NEWS

Indian Men's Relay Team wins historic Gold at the World Athletics Relays 2026 in Bahamas; secures direct qualification for 2028 Olympics.
भारतीय पुरुष रिले टीम ने बहामास में आयोजित विश्व एथलेटिक्स रिले 2026 में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीता; 2028 ओलंपिक के लिए सीधा क्वालीफिकेशन हासिल किया।

FIFA trials 'Optical Offside Technology' during the Club World Cup; aims to eliminate human errors in offside decisions with 100% precision.
फीफा ने क्लब विश्व कप के दौरान 'ऑप्टिकल ऑफसाइड टेक्नोलॉजी' का परीक्षण किया; इसका लक्ष्य ऑफसाइड फैसलों में मानवीय त्रुटियों को 100% सटीकता के साथ समाप्त करना है।

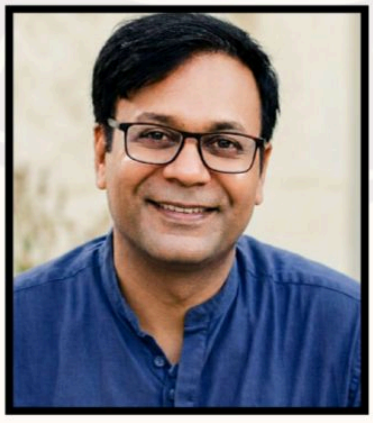

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️ संदेश:

"NEWS का वास्तविक अर्थ है—प्रगति का नया प्रमाण। खुद को समय के साथ अपडेट रखें।"

अनुभाग-6

प्रेरक बाल एकांकी

"चक्रवाती तूफान और आंधी से बचाव"

(सुरक्षित शनिवार विशेष)

पात्र : गीता मैडम, रोहित, सीमा, केशव, अन्य छात्र

दृश्य 1 – कक्षा में जागरूकता

(सभी बच्चे कक्षा में बैठे हैं। बाहर तेज हवा चल रही है।)

गीता मैडम: बच्चों, आज सुरक्षित शनिवार के अंतर्गत हम चक्रवाती तूफान और आंधी से बचाव के बारे में सीखेंगे।

रोहित: मैडम, चक्रवाती तूफान क्या होता है?

गीता मैडम: समुद्र के ऊपर कम वायुदाब बनने से बहुत तेज हवा, भारी वर्षा और तूफान उत्पन्न होता है। इसे चक्रवाती तूफान कहते हैं। तेज आंधी भी पेड़, बिजली के खंभे और कमजोर छतों को नुकसान पहुँचा सकती है।

सीमा: इससे क्या-क्या खतरे हो सकते हैं?

गीता मैडम: पेड़ गिर सकते हैं, बिजली बाधित हो सकती है, मकानों की छतें उड़ सकती हैं और जलभराव हो सकता है।

दृश्य 2 – क्या करें?

केशव: मैडम, मौसम विभाग की चेतावनी मिलने पर हमें क्या करना चाहिए?

गीता मैडम: दरवाजे और खिड़कियाँ अच्छी तरह बंद करें। मोबाइल, रेडियो या समाचार से जानकारी लेते रहें। टॉर्च, दवाइयाँ और पीने का पानी तैयार रखें। पेड़ों, खंभों और टूटे बिजली तारों से दूर रहें। आवश्यकता होने पर सुरक्षित स्थान पर चले जाएँ।

दृश्य 3 – क्या न करें?

रोहित: और क्या नहीं करना चाहिए?

गीता मैडम: खुले मैदान में न रहें। पेड़ के नीचे शरण न लें। बिजली के तारों को न छुएँ। अफवाहों पर विश्वास न करें।

दृश्य 4 – संकल्प

सीमा: मैडम, अब हमें समझ में आ गया कि सावधानी ही सबसे बड़ी सुरक्षा है।

केशव: हम यह जानकारी अपने परिवार और पड़ोस के लोगों को भी बताएँगे।

गीता मैडम: बहुत अच्छा! जागरूकता ही आपदा से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है।

सभी छात्र (एक साथ): "सतर्क रहें, सुरक्षित रहें!"

संदेश "तूफान से डरना नहीं, तैयारी और समझदारी से उसका सामना करना है।"

.....✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌱🙏

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

विद्यालय के पुस्तकालय को जीवंत कैसे बनाएं ?

विद्यालय में छात्रों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए एक समृद्ध पुस्तकालय का होना अत्यंत आवश्यक है। पुस्तकालय को छात्रों के लिए आकर्षक, उपयोगी और सक्रिय बनाने के लिए केवल किताबें रखना ही पर्याप्त नहीं होता, बल्कि उसे बच्चों की सीखने की गतिविधियों का केंद्र बनाना पड़ता है ताकि पुस्तकालय अपने जीवंत स्वरूप में दिखाई दे। विद्यालय को जीवंत बनाने के कुछ व्यावहारिक तरीके निम्नवत् हो सकते हैं:

सबसे पहले पुस्तकालय को आकर्षक बनाना चाहिए। इसके लिए पुस्तकालय में रंगीन चार्ट, प्रेरक स्लोगन, बाल पत्रिका और बच्चों की बनाई चित्रकारी को लगा सकते हैं।

पुस्तकालय में "आज पढ़ने के लिए पुस्तक", "सप्ताह का पाठक", "नई पुस्तकें" जैसे कोने बना सकते है। पुस्तकालय में छात्रों के बैठने की पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए जो आरामदायक भी हो। इसके लिए दरी, मैट, कुर्सी, बेंच, मेज आदि लगा सकते हैं।

प्रत्येक कक्षा के लिए सप्ताह में कम से कम समय-सारणी में तय होना चाहिए। पुस्तकालय हेतु शिक्षकों एवं छात्रों के बीच से किसी एक को पुस्तकालय कक्ष का प्रभारी नामित करना चाहिए। इसमें बाल संसद के प्रधानमंत्री एवं पुस्तकालय एवं विज्ञान मंत्री की मदद ली जा सकती है। प्रभारी शिक्षक एवं छात्र द्वारा उपलब्ध सभी पुस्तकों को एक कांपी में सूचीबद्ध करना चाहिए। छात्रों को पुस्तक जारी करने हेतु एक अलग से रजिस्टर का संधारण होना चाहिए। छात्रों को केवल पुस्तक जारी करने से पुस्तकालय की उपादेयता सिद्ध नहीं हो सकती बल्कि उनसे पुस्तक पढ़ने और सुनाने जैसी गतिविधियां कराना भी आवश्यक है। शिक्षक को पहले स्वंय से छात्रों को रोचक कहानी पढ़कर हाव-भाव के साथ सुनाना चाहिए। फिर छात्रों से कहानी दोहराने, अभिनय करने या चित्र बनाने को कहा जा सकता है। ऐसा करने से छात्रों में पढ़ने की रुचि तेजी से बढ़ेगी। इसके अतिरिक्त हम बाल पुस्तक क्लब,रीडिंग क्लब, बाल पुस्तक मित्र जैसे छात्र संगठन बनाकर भी पुस्तकालय की पुस्तकों को पढ़ने की आदत छात्रों में विकसित कर सकते हैं।

पुस्तकालय की घंटी को गतिविधि आधारित करने हेतु विद्यालय में पुस्तक समीक्षा प्रतियोगिता, कविता पाठ, कहानी लेखन, समाचार वाचन, एक बच्चा–एक किताब परिचय जैसी गतिविधियों को आयोजित किया जाना चाहिए तथा विजेता छात्र-छात्राओं को विद्यालय परिवार द्वारा पुरस्कृत किया जाना चाहिए।

पुस्तकालय में रखी पुस्तकों को छात्रों के उम्र और पढ़ने की क्षमता के अनुसार संधारित किया जाना चाहिए। पुस्तकालय में पाठ्य पुस्तको के अतिरिक्त कॉमिक्स, विज्ञान की रोचक पुस्तकें, महापुरुषों की जीवनी, लोक-कथाएँ, बाल-पत्रिकाएँ, ग्लोब, नक्शा, फ्लैश कार्ड, शब्द कार्ड रखना चाहिए।यदि विद्यालय में स्मार्ट बोर्ड हो तो ऑडियो कहानी या ई-बुक की भी व्यवस्था कर सकते हैं। सभी कक्षा में पठन कोना बनाया जा सकता है जिसमें छात्र खाली समय में पठन कर सकें। इससे पुस्तकें केवल पुस्तकालय कक्ष तक ही सीमित नहीं रहेंगी। छात्रों में पठन सुनिश्चित करने में समुदाय और अभिभावकों की भी सहभागिता ली जा सकती है।

विद्यालय द्वारा अभिभावकों से पुरानी अच्छी किताबें दान करने का अनुरोध किया जा सकता है। स्थानीय शिक्षित लोगों को छात्रों को कहानी सुनाने के लिए बुलाया जा सकता है।

छात्रों को पढ़ने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए विद्यालय द्वारा माह का सर्वश्रेष्ठ पाठक एवं माह सबसे अधिक पुस्तक पढ़ने वाले बच्चों को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया जा सकता है।

छात्रों के लिए पुस्तकालय में प्रत्येक दिन आधे घंटे की पठन गतिविधि पढ़ने के लिए नहीं होती है बल्कि यह छात्रों में पढ़ने की आदत डालने के लिए होती है।

तो आईए हम अपने विद्यालय के पुस्तकालय को जीवंत बनाने की दिशा में एक सफल कदम बढ़ाएं।

मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें।

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

"शिक्षक संवर्धन"

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की शृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयाह से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

संवाद सूत्र, जागरण• बगहाः बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार, राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोरः पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकताः ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशाः 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

अनुभाग-8

"बिहार-दर्शन"

प. चंपारण: हिमालय की तराई, गंडक का साम्राज्य और जनजातीय संस्कृति

'संपादकीय'

पश्चिम चंपारण की भौगोलिक संरचना बिहार के अन्य मैदानी जिलों की तुलना में अत्यंत विशिष्ट और विविधतापूर्ण है। यह बिहार का एकमात्र ऐसा जिला है जहाँ हिमालय की शिवालिक श्रेणियों का विस्तार पाया जाता है। उत्तर में स्थित सोमेश्वर श्रेणी की ऊँचाई न केवल यहाँ की जलवायु को नियंत्रित करती है, बल्कि यह नेपाल के साथ भारत की अंतरराष्ट्रीय सीमा का एक प्राकृतिक प्रहरी भी है। यहाँ की मिट्टी में तराई क्षेत्र की नमी और कंकड़-युक्त बनावट का मिश्रण है, जो इसे जैव-विविधता की दृष्टि से भारत के सबसे समृद्ध क्षेत्रों में से एक बनाता है। इस भौगोलिक विशिष्टता के कारण ही यहाँ की वनस्पतियाँ और जीव-जंतु हिमालयी और मैदानी, दोनों पारिस्थितिकी तंत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

इस अनूठे भूगोल की गोद में निवास करने वाली थारू और उरांव जनजातियाँ चंपारण की सांस्कृतिक रीढ़ हैं। थारू जनजाति, जो स्वयं को 'तराई का राजा' मानती है, अपनी अनूठी जीवनशैली के लिए वैश्विक स्तर पर जानी जाती है। इनका समाज पारंपरिक रूप से प्रकृति के साथ गहरे सामंजस्य में रहता है; इनके घर मिट्टी, बाँस और घास-फूस से बने होते हैं जो न केवल भूकंप-रोधी होते हैं बल्कि तराई की जलवायु के अनुकूल भी होते हैं। थारू संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता उनका मातृसत्तात्मक झुकाव और सामुदायिक निर्णय लेने की प्रणाली है। उनके लोक नृत्य जैसे 'झमटा' और 'करमा', तथा 'मूंज' की कलाकृतियाँ उनकी रचनात्मकता का प्रमाण हैं। यह जनजाति गंडक और जंगलों को पूजती है, जो पर्यावरण संरक्षण के आधुनिक सिद्धांतों का एक प्राचीन स्वरूप है।

उरांव जनजाति, जिसे इस क्षेत्र में 'धांगड़' के नाम से भी जाना जाता है, अपनी अदम्य ऊर्जा और श्रमशीलता के लिए प्रसिद्ध है। ऐतिहासिक रूप से ये लोग खेती और वनीकरण के कार्यों में निपुण रहे हैं। उरांव समाज की अपनी एक समृद्ध मौखिक परंपरा है, जिसमें उनकी भाषा, गीत और लोककथाएं पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरित होती रहती हैं। उनकी संस्कृति में 'अखड़ा' (सामुदायिक नृत्य का स्थान) का विशेष महत्व है, जहाँ उत्सवों के दौरान पूरा समाज संगीत की लय पर एकजुट होता है। थारू और उरांव दोनों ही समुदायों ने आधुनिकता के दबाव के बावजूद अपनी जड़ों को सुरक्षित रखा है, जो नृवंशविज्ञान (Ethnography) के वैश्विक शोधकर्ताओं के लिए आकर्षण का एक बड़ा केंद्र है।

इस क्षेत्र की जीवनरेखा नारायणी यानी गंडक नदी है, जिसका प्रवाह केवल सिंचाई का साधन नहीं बल्कि एक प्राचीन सभ्यता का संवाहक है। नेपाल के हिमालय से निकलकर चंपारण के मैदानों में उतरने वाली यह नदी अपने साथ प्रचुर मात्रा में 'शालिग्राम' पत्थर भी लाती है, जो इसे आध्यात्मिक और पुरातात्विक रूप से वैश्विक पहचान दिलाते हैं। गंडक पर बना वाल्मीकि नगर बराज न केवल उत्तर बिहार और उत्तर प्रदेश के बड़े हिस्से की प्यास बुझाता है, बल्कि यह सीमावर्ती क्षेत्रों के बीच आर्थिक और सामाजिक सहयोग का एक अंतरराष्ट्रीय सेतु भी है। गंडक की सहायक नदियाँ जैसे मसान, पंडई और सिकरहना, इस भूमि को 'बहु-फसली' उपजाऊ मैदान में बदल देती हैं, जिससे यह क्षेत्र कृषि-निर्यात की दृष्टि से राज्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बन जाता है।

पर्यावरण संरक्षण के वैश्विक मानचित्र पर वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (VTR) इस जिले का सबसे चमकदार रत्न है। लगभग 899 वर्ग किलोमीटर में फैला यह संरक्षित क्षेत्र बिहार का एकमात्र राष्ट्रीय उद्यान और बाघ अभयारण्य है। यह रॉयल बंगाल टाइगर के अलावा भारतीय गैंडे, तेन्दुए और दुर्लभ प्रजाति के पक्षियों का सुरक्षित आश्रय स्थल है। इसकी महत्ता इस बात से समझी जा सकती है कि यह नेपाल के 'चितवन नेशनल पार्क' के साथ एक विशाल पारिस्थितिक गलियारा बनाता है, जो वन्यजीवों के निर्बाध विचरण के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनिवार्य माना जाता है। यहाँ का घना साल और खैर का जंगल 'कार्बन सिंक' के रूप में कार्य करता है, जो वैश्विक जलवायु परिवर्तन के दौर में इस पूरे क्षेत्र के वायुमंडल को शुद्ध रखने में एक महती भूमिका निभाता है।

अंततः, पश्चिम चंपारण की यह भौगोलिक और जनजातीय भव्यता केवल पर्यटन का विषय नहीं है, बल्कि यह सतत विकास का एक बेहतरीन मॉडल पेश करती है। हिमालय की गोद से लेकर गंडक के विशाल पाट तक, यह जिला प्रकृति और मानव के बीच एक अटूट संतुलन की कहानी कहता है। यहाँ की पारिस्थितिकी और जनजातीय विरासत का संरक्षण न केवल बिहार के लिए, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया के पर्यावरण संतुलन के लिए अनिवार्य है। चंपारण की यह गहरी समझ हमें बताती है कि कैसे एक समाज अपनी प्राकृतिक संपदा और प्राचीन पहचान को अक्षुण्ण रखते हुए भी भविष्य की ओर कदम बढ़ा सकता है।

.....

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org